

# निर्दाश मर्श्रा

বিচিত্র রমণীয় উপাধ্যান এবং বাহি ৯৷ বিজ্ঞান নীতি ও শিল্পালৈ বিষয়ক বিবিধ প্রকলাত্মক মানিক প্রা

১म में? था। ।

কেন্ত্রাবি, ১

SHOW WE'S

5T 515 1.

## " দম্পাদকীয় উক্তি।

कारना शुद्धी जरे - नत्र निकासत व मल्पने नतिशाहिकाण करिका 'तजुड श्रेक्श्मर्म होता भारतकेम के लिए । मान १ देवराम একট বিদয়ে ইদতে,গ ছইবে এমন সঞ্বন। ্কান প্রকারে ছইতে প্রারেমা। এই দামগ্রিক পত্রের প্রথম দক্ষণেপ আমাদিমের এইমাত দ'ন্দ ভিল তে কেবল প্রানিদ্ধ ওরমণীয় উপা-शासानि जल्ला जल्ला करिः गारंग गारंग প্রকাশ করিব, কিন্তু এই এণালী ভানেকের গনোনীত নহে। বাস্তাবক ইহাতে বিশেষ আপত্তি চইতে পারে, তথ্যধ্যে প্রধান এই যে, কেবল উপন্যাদৈর কিয়দংশ পাঠ করি-লা অনেকে সম্ভূষ্ট কা 'কইতে পারেন, দিতী-য়তঃ সাময়িক পত্রৈ শুদ্ধ এক কি চইটী উপা্থান মাত্র খাকিলে ভাষা যেন এক প্রকার অসম্পূর্ণ হোধ হয়। এই সকল সংপতি क्षेत्रीर्विक्षेष्टे भिक्रिकारक निविद्ध ध्यमक निव-বেশ করা শ্বির করিলাম। "বিলাতে লিজর আ পরার কি ক্রাদেল স ফেনিলি পেপর প্রাড়-তি বে শুৰুল প্ৰতিক্ৰ আছে ইহা ও প্ৰায় ভ্ৰমুবায়ী, হইবেক : ইহাতে সাহিত্য নীতি বিশ্বচাৰ: ও লিশ্প শান্ত, বিনয়ক বিবিধ প্ৰানন

প্রতি ম'লে পাকিবেক এবং সংস্কৃত কাব।
নাটক প্রস্কৃতির অনুবাল ও ব্যক্তাল কলিজ্য
সমলে সময়ে প্রকাশ করা মাইত্রেস। বাজ্ঞা
ক্রিয়া কাম নিগের এ দেশে ও প্রকাশ পত্র
কর্মনের প্রা
ক্রিয়া কারের প্রা
ক্রিয়া করেব প্র
ক্রিয়া করেব করেব প্র
ক্রিয়া করেব বিশ্বিয়া করেব ব

্বই প্রথানি কাংগ্রন মঞ্জা নামে প্রকাশ কবিবাদ সক্ষণ করিয়াছিলান, কিন্তু উপারোজ কারণে সেই নাম প্রিক্রিন কর। গেল।

## ালা**ত্তেও এবলিব ন**া।

कृष्ण १ तेद्वार ।

ইংলাণ্ডের করণ শ্বাল প্রান্তিষ্ট্র পশ্চিম খণ্ডে সম্মন্তর্ভাবে একটা স্থানী আইছিলাপলোগি আবাস-বালী-ছিল, তেমাল ৮ক দিছিলালি ছই প্রচর্গনতে তুইটা ভূজা বহুনপালাল বিশ্বালিক পোপকথন কবি ভেছিল। ভালিকি ক্রেম্বির বেশি কর করা পদ কর্মচারি ভোষেককৈ কিন্দাবি বেশি কর করা পদ রাত্তি পর্যান্ত কি জাবিত পার্কিবেন। গ্রক্ষণর দ্বকার क्षांछ वृश्चि कर मिथि? त्य छेखंब करिले, क्रिकें अरब बालिया ১० शिमिष्ठ रुवेशाट्ड, এक क्षेत्रांच तीजि कांत्रविद्याट्डम योगित्न रहा

ভূতাদয় এই প্রকারে কথা কছিতেই এক আৰ-বার বার প্রতি দৃষ্টি করিছেটিল এবং ন্তেই কথাব লব পাচে কেই শুনিতে পায় এই আলিকার ব্র ক্রানে মৃত্যু করিয়া বাকা নির্দির্গ করিতেছিল। ইচার। কাপ্রেম চ্রিরটন মাসক একজন ধনাচা দাবিক ক্রাচারির সেবক।

ভ্ৰেপৰে ভোষ্ঠ যে দে বলিল, সুইনীতে এই অভ্ৰেন্ত বাত্ৰিত জাগানিত থাকিয়া ঘণ্টা গণন করা
বিভ বিষম দায়। কনিষ্ঠজন অতি মৃত্তব্য লিভাগিল, ভাই তুমি ত শুনিতে পাই বালাকালাক কা স্থামে চাকনি করিট্রকা ছিলেন ? ভোষ্ট ভূতা কল্পদানে ইইয়া বলিল, তোনাকে একথা কে
্রিল ১

ধাঃ। হউক ভাই ও সকল কথায় জাব প্রয়োজন মাট এই বলিয়া জোগেফ নামক কানিও ড়ভঃ গ্রুড नीरबोलान कदिल, त्मडे मगरत अकती घन्डी द नक क्षेष्ठ रहेन। म छथन किस्तानित, जारांतिह काहा-কে ভাকিভেছৈ না কি ? জ্যেষ্ঠ উত্তর করিল, এক-দিম এবাটীতে র্ছিয়াড়, ঘণ্টার শব্দ শুনিয়া কাছাকে ডাকিতেতে ভাছাও অস্তত্ত্ব করিতে পার মা, ক্রী শ্বীয় পরিচারিকা সাহা-শিসনকে ভাকিতেছেন, শীপ্ত बाहेश जिल्हें के जिल्हें तह । कार्यक जनन একটা প্রক্রলিভ ক্রিকা হত্তে দারণ করিয়া দার **উ**नवारेन कतिन, **गाँ**ड ७२ नमा १५ अकरे। ভिल्डित গাত্তে শারিং করেকট ঘন্টা ঝুলিভেচে ভাছাতে ভা-होत मुख्य निविध्यक्तिक है जिहा सिर्म अएकाक ৰ্কাৰ উপর পৈইনিক প্রত্যিক ছডেরে আধ্যা-विका निशा नाम अधिक विशादक । उर्दम निरीख द म के। मोलाशमीन इन्टेडिक्कि जाहाद किनीत्रत स्मथा शक्ति। त्मचिन, "तब्देव में का विका" के केंद्रवर्की।

दिन्**र्क**न् इंडेवर्ड क्लांगः त्यस्तित्त्, वृद्धः व्यवस्त क्ष्ममञ्जूषां मारे। अहे कथा महकर्षकातिएक क्लांक কুরাতে বে কুলিল ছেবে বৃদ্ধি সারা আপন পর্বলা-गाटक कार्ड प्रधान गारेना छारास ল। ভোগেক এক নতক ডিন খাক প্রোপান অডি-ক্রম করিয়া সারার শ্রমনাগারে বিশ্ব ভারার নামো-চারণ করিয়া, ডাঙ্গিল। ক্ষত্তি ন্যু কোমলভরে अक्री बीटनांक उँउत पिश किकांनित्तस "(क बा?'। ভোষেক কত্রীর আদেশ ক্সাপন করিবামার সার: ব্যস্তিকা হল্পে করিলা নার উদ্যাটন করত কোনে-रकत मन्त्राहर करें ,बान इस्टलन । माता व्यवस्टक मीर्घाकार ना अभी अन्तर, युवको अन्तर । व्यक्ति ভাৰ সভাব ক্তি প্ৰথম দুৰো, সন্থির চিত্তাবিষ্ট ক্লোন হয়। বড় মান্তবের বাটার পরিচারিকাদিনোর যেৰপ বেলা ভূষণ ভাষার কিছুমাত্র নাই, পরিষ্ঠদ ষে পর্যান্ত অফুক্রিম ও শামান্য ইইটেড পারে ভাহাই তিনি সচরাচর পরিধান করিয়া থাকিতেন। ইঞ্চার ত ৰূপ এই, কিন্তু এমনি একটা তাহার অপুনুষ বা-ফ্লিক দুশ। ছিলু যে ভাষাকে বেথিবামত্ত্ব সকলেরট কুতুহল উলয় হয় ৷ তিনি কৈ, পুর্বেষ্ট ক্ষেণ্ডায় ছি-इन्ते अहे कराक विवरम् इ का क्षेत्रकान मा कानमा दक-रहे काछ थाकिएछ शाहिएकैंस मे। कि छ त्राहांह বজাব এথাকার গভীর: অস্কৃত্তি,এড ওচু যে আহার मुन्दे विनिशंक काचा शतिहत्र (कहरे शान साहे। किन्त জাঁহার মূপত্রী মিরীকণ করিয়া রেখিলে সকলেরই এই प्रष्ट विभाग इस स्य अक कांद्रल किनि विषय मुझा। रकान कतिया शक्तितन, ना इ**हेर्स केउ निर्का** ह-वैदिन दिन। योग अक विकास काशावन गर्डें म क्षेत्र भारतक्षि महनारमानी अधुक्र कि भारतित क्षिण ७ बाजन<sup>्र</sup> कडू काशत असल् क्ष्में हुई हा-किन जारा क'स्थान्छ निर्मत अधिनात जेनाह किन न! । (व कांडरन कडेंक क्रिक्कि क्रिक्किरन क्रिकि न्त्रिया हिन्द्र कान स्थानिक क्षेत्र के कि मक्त जीवात नकारक स्वतिभागाम विकास जिल्ला न्पर्वे जिल्ला की बाँडे किंद्र राहा के बाँड

व्यवद्रारवंत अन्त रेवनकेना चार्क किल्हा व व वात नामर्थ।काश अधियातिक इस नारे जारात विनमान · अज्ञान काक्क्षेत्रज्ञान हिन । करभाग विश्न ଓ खक, **७५६वे जाउँ भारत वर्ग कर्म अकि महमानेत** পদ্ম সক্রিড পাতায় জন্মাদিত ওথাপি। নির্থেজ, शामा চকিত हरिनीत माथ कि ममेकिए। এकश মটিনতা ও আঁকারের দুশা বিষম যন্ত্রণাত্রস্ত চ-होत नकत्वहरे स्टेश शास्त्र कि इ जिस्मार नर সাবের অধিক ঘটিরি ব্যাংজনা নতে, ভাহার খে এপ্রকার সমস্ত কেশ ধবল হওয়া অভি বিদ্লা डेर्ड । इ मुंच केंक के निवर्ग वर्ड, किक कुर्जीशि । लालिस बारम प्रभाव क्षेत्रं की फंकुं बिएखं कि खं तमभू ने, नना-টের চন্দ্র শিশুদিশের ন্যায় কোমল ও মলণ। এই সকল চিহ্ন যখন কৈশের বর্ণের সহিত মিলন করিয়া অনুভব করী যায় তথন সহজেই চমকিও হইতে হয়। আশ্চর্যের বিষয় এই যে বয়সাদিগের ন্যায় কেশের ষরতা কিছুমাত্র ছিল ন।—মন্তক একেবারে সর্বা-চ্চাদিত। যাহার। বিজ্ঞ উাহারা কেবল এই সকল লক্ষণ দেখিয়া মনে২ আপনাপনি বিস্ময়াপন ১ইতে-ম ওদিধয়ে বেলনা দায়ক কোন প্রস্না কখন কাহাকে জিজ্ঞালা করিজেন মা, কিন্তু সারাব সহ কর্মচারির। খড়াবত অজ্ঞ, তাহাদিগের কেতিহল নিবারণ করে তুঃসাধ্য হইক্লাছিল। সারার শ্রীরের ত এই সকল লক্ষ্ জিল, পাৰার অধিকন্ত তাহার আপনাপনি কথা কওয়া একটী অস্ত্রাস ছিল | দাস দাসীরা এই সকল লইয়া আপনাপনি সর্বাদা কানাকানি করিত, একং সময়ে পরিহাসও করিত, কিন্তু কব্রীয় ভয়ে স্পষ্ট কোন কথা ব্যক্ত করিতে পারিত না। কত্রী আপন यामी खदाँव इक्कदर्भ शर्याष्ठ मकनतक निरम्भ कवि-য়াছিলেন, সার্ভ আপানাপনি কথা কওন বিবয়ে কিখা ভাষার ক্ষেত্রেশ্বরজন্ম বিষয়ে কেম কেন ভা-হাকে কোন আন্তঃবিজ্ঞাসা না করেন বেছেতু তাহা-**्डे फ्रांशक नमिक बाबी छः च इ**स ! '

গারা কণ্ডাল বাফাছীন শ্রীয়া বুকেব নাায় ততে।র শিক্ষাই দণ্ডায়িলানা রহিলেন, বর্তিকার কালোক শ্রামানে লানিবাডে উছে।র সুক্ষরণ চন্দ্রয় ও মন্ত-

কে:পরি খেতেবর্ণ কেন্দ্র রাশি জাত্তাল্যমানা: क्टेल। निर्दाटका पूक्टक्यां अवेक्टले प्रश्रीकी রহিলেম, বভিক-িগুত-হস্ত কম্পিড' হইতে আঁশিলাঁ তৎপরেট ভালকে ডাকিলা 'দিয়াছিল বজিরা' ছুডার্থ .ক কৃতজ্ঞতার শৃহিত নমন্ধার করজ গমনোদাতী হু চলেন ৷ সভাবতঃ মৃত্তাব, কথা গুলিন আরো मधुद क्रान इन्ल । शुरुष मभक्त एका बर्धि माहिता থতি ঈ্যাহিত ছিলাকৈ সে রাজে ভাইার **ভাই** ভিজ্ঞা দেখিয়া জোদেকের মনে করণার সঞ্চায় इंडेन. 🕒 भाराह इस्हित **दर्खिका परि**या **दलिल, इन**ि আমি ভোমাকে কত্রীর গতের দার পর্যান্ত পৌ ছিয়া দেই। স'রা তটিস্থ **হই**য়া সম্ভক নান্তি-ল' সহতে জাপনি চলিয়া গেলেন! সারা এবং জ্যোক যে স্থানে দশুরমান কইয়া কথা ক্ছিতে हिल्लम छाहावरे निष्मव खारकारके शक्तिव नयमा-প্রাক। সাবা দার্দেশে সন্দিপ্তিত ক্রকাল দওায়ান র্হিলেন, তংপরে অতি মুদ্র ক্ষ ক্ষিয়া ছারে ব্রি রেক সুইবার মৃষ্ঠাছাত করিলেন কাপ্তেন টি বরটন আপনি ঘাব উদ্যালন কবিয়া দিলেন। সারা ভাঁছা-কে দেখিবামাত্ত চমকিত হটরা ভবে দশহাত পশ্চা-তে স্বিয়া গোলেন ৷ কোন ছুনি বার ভয়ন্তব মুর্ভি যদি ত'হাকে প্ৰহাবোদ্যত ক্টত বোধ কয় ড.কাতে সারার এন্ড ভার হয়ত না। কিন্তু কি চমাকার. ि वत्रहेम आंद्रश्याक स्मिश्ना डाँग् इन्टें कर्मात्र म्या ब्रह्मेश्व भ्रष्टानमः (यात्र क्षेत्रहे क्षेत्रह मा, कि., তিনি যে কাছাকে কটু কাটবা ৰলিবেন জাল কেচ অসুভব করি(ত পারিতেন না—জাঁহার/মুখ-মওতে प्रश्ना ও करूभात **ভাব সম্প্रकार** कि ত্রিত ছিল, তিনি স্বভাবতঃ অতি সন্ধা ও অরুপট্ট, ছাব উদ্মাটন কালীন জাঁহার চক্ষে জ্ঞা গারা विरुक्त हिला नातारक स्वित्वा करिस्ट्राम् बाहेन ভোমার কত্রী কেবল ভোমারই অল্লেম্প করিভেছেন, व्यामि अकटन बाडे, यनि डिकिश्मरकड व्यावनात इस व्यामीत्क मश्तान निक्य। माझा एक मोर्स अर्जन मा করিয়া তাহার প্রভুর সমন কালীন উট্টোর ভিকে অনিমিষ লোচনে দুক্তি করিয়া রহিলেন। একে স্বকা-

क्षा भारत विश्व व्यावात का का वा मुर्ग वर्ष अ-क्ष्याद्व अपूर्वित्रात नराष्ट्र इरेग्नाविना, व्यात निक्ष यहिक्स नाम समूबस पूर्वासमाम क्रिट्कहिरणन अवर कांश्रमाश्रति समिरणिक्रिएननः "अमन कि श्रव, कर्जी कि नकन कथा। राज कतिशाहरून"। असू कर्ना হুইখার পর আন্তেৎ বোপীর হাচের ছারে আগমন कतिरक्षम अवर करणक मधाबगाम हहेया खिमालान গৃহ হইভে কোন কথা আছে হয় কি না। বার जेम्यारेन कविया उद्युशित बृष्ट्यंकाम चन्न महेया तहि-रम्म, **७५भटा भगम् मित्र ज्वाकांग निवा भ**न नि-क्लिश क्लेक गृह धारवन कतिरुक्ते। श्रहिनीत मंत्र-माशास्त्रत भरेन ध महला आही म शक् जिमए हिन, ভাষা বাটাৰ পশ্চিমভাগে স্থাপিত হওয়াতে তথ **২ইতে সমৃদ্র স্পষ্ট দৃশামান হইত, ষরের এক** পার্শ্বে একটি দাঁপ প্রস্তুলিত ছিল, কিছ তভারা পরিকার আলোক হয় নাই ভাহাতে কেবল গৃহের অঞ্জকাৰময় স্থান দকল বিশেষৰূপে নিৰ্থয় হইডে-ছিল : দীপ শিখা অতি মৃত্যুভাবে অলিতেছিল ত-দার। ক্ষুদ্রহ সামগ্রী কছুদার দুশ্যমান না হুইয়া কেবল বৃহদাকার দপণ ও বসন ভূষণ সকলের কাষ্ঠাধার সকল প্রভাক্ত হুইভেছিল, একটি গুবাক্ষ উদ্বাচিত ছিল ভদ্ধার। .কবল বালুকাময়-তটে সাগর ভরকের প্রতিঘাত জমিত কলোল আত হইতেছিল। বহি-দে শের আর কোন শন্দ তথন আংতিগোচর হইতে हिल मा । इकुधिक निखना ७ क्रमणुमा । शृह-मर्गा **ब्ह्रकत** त्वाश्चीक घाडमात श्वाम ध्वश्चारमह अप अव একবাৰ আপতিপথাকত হইতে ছিল। সারা অখ্যার পার্বে দপ্তায়কান ক্ইরা কজীকে সংখ্যাধন করিয়া कहित्सम, आफू अहेमाज शातमम, अवर जामा-কে এস্থানে অবস্থিতি করিতে আদেশ করিলেন, আপনার:এক্তেৰ যাহা অভিক্রচি হয় ববুন,—'ভরে जारता भारता करा" रकरल এই करशक्ति कथा अन्छ হইল: সারা কম্পিত হতে তুইটা বর্তিকা জালিয়া শ্বার পার্থে, একটা কাষ্ঠাথারে স্থাপিত করিয়া চারিদিকে একবার कृष्टिপাত করিলেন এবং **ক**ণেক পরে মোদারি ছুলিয়া ধরিলেন।

া সারা-লিস্থের কত্রী বিষয় ক্রোপ্তাঞ্চ হুইয়াছি-रमम, किया राष्ट्रे आकात खान आहा औरमाकनिरनत इक्स थाहक, रम स्वारभन अवंश क्रमस्मान अकन अवे त्व च्यस्तत् क्षात्म कव कविद्रा चात्व, वाष्ट्र वृत्या किष्टूरे अकार्क हम ना। हि वहछेन भारक्टवर माहीरक छ९कारक দেখিয়া কাহালো এমন বিশ্বাস হইত না যে তাহার আরোগ্যের উপায় নাই। সুস্কায়ার তাবত লকণ-हे हिन, फरव किकिए पूर्वन ६ कुषा। मामाना भी छा-গ্রন্তের পর আরোগ্য কালীন যক্ষপ দেখার ভাহাকে ও তত্ত্ৰপ দেখাইতেছিল। ঘাচার। পীড়ার প্রথম স-कातायि त्रवा क्तिएकहिएलम, अशिक्षित मरन अ-কবারও অনে জ্ঞান হয় নাই ষেউাহাকে কৃতান্ত এক কালীন এাদ করিয়া বসিয়াছে। মোদারি উভোলিত হইবামাত্র কত্রী ইক্তিক করিয়া কতকগুলিন নাটক ও কাব্য এছ শধ্যায় ছিল তাহা সাবাকে স্থানান্তর ক-तिएक जाएमम कतिएलन। मश्कादतत अमन थन যে সহজে দৃচ অভ্যাস এককালে ভ্যাপ করা বার না। ভুতোরা আপনাপানি যাহ। বিশ্বতৈ ছিল দে कथा अपूनक नट्ह। जिनि अककारन नाएँ। मध्यपारम क्रिन अवर अन्ताम वना नाग्रमानाम वावशेन द्वाभाषाती बाहेक **बाद मर्जामांडे भाके काँ**बट्डन।

গৃহিণী বভাবতঃ অতি উগ্র ছিলেন, নমভাবে কথন কাহাকে কোন কথা বলিজে পারিতেন না, তৃত্যবর্গ ও পরিজনেরা তাহাকে কৃতাত্তসম তর কছিত। তখন মদিও মুমূর্ব আদ্ধ তথালি রোব-পূর্ণ বরে নবলৈ আকা দিতে ছিলেন। সারা উজ গ্রহুর আনাভর করিলে পর গৃহিণী পুনরার ইনি-ভ বারা দেখাইলেন যেন আর একটি আজা পালন করিতে বাকী আছে। অবশেষে কহিলেন, মার অক্রুদ্ধ কর—জনমুখা কাহাকেও আমার জাতা তির আসিতে দিও না,—চিকিৎসক কি ভোষার প্রত্তা পুনরভারণ করিরা কহিলেক দিনে কি জাতা পুনরভারণ করিরা কহিলেক দিনে কি কি ভারা পুনরভারণ করিরা কহিলেক দিনে কি ভারা পুনরভারণ করিরা কহিলেক কি ভারা পুনরভারণ করিরা কহিলেক কি ভারা কি ভারা পুনরভারণ করিরা কহিলেক কি ভারা কি ভারা কি ভারা পুনরভারণ করিব ভারা আর কি ভারা কি ভারা

त्मन अवः छर्भात भवात भार्य मधायमान हरेया. शृहिनीत मुक्ष व्यक्ति अक मुर्छ महिमा दहिराना। কণকালপর অভি সৃত্তরে জিজ্ঞান। করিলেন, কর্ত্তা-কে কি সকল বলিয়াছেন ?—্না, "এখনপ কিছু বলি नाइ,-विलवात सना खाँशांदक जाकाहेशाहिलाम, कि इ अमग्-बहास्टरक अभन मिमासन कथा ना कि ध-কারে বলি, যাহা হউক ছেলেটার কথা না কহিলে সকলট বলিভাম"। সারা ভায়ে ও বিষাদে এডদূর প-গান্ত অভিশুত ফেইয়াছিলেন যে কব্ৰীর নিকটে আ-ছেন কি আব কো**খায় খাছেন** তাঁহার তথন স্মরণ চিল ना। अक्यारम लाउक मध्र इहेग्रा विलाश कतिएकर সন্মা 🤝 जामरन উপবিষ্ট হইলেন,এবং দুই করপলব হারা ম্থাক্ষাদন করিয়া কাভেরে কহিতে লাগিলেন, "আহা ! কি হবে লোকি হ'ে। ট্রিট নের গৃহিণী প্রায়াক কথা কহিয়া যা জনার এপাশ ওপাশ করিছে नाशितनम, श्रामीत कथा कहिएकर, शकाम हि इ ७ छ-স্পূৰ্ণ নয়ন হইল, অবশেষে পরিচারিকার প্রাক্তি লক্ষ্য করিয়া মৃত্তপ্রে কহিলেন "আমার ঔষধ দেখা তে"। শারা ধড়মড়িয়া গাত্রোথান করত চক্ষের জল সুচি-লেন এবং ভটত ছটয়া শ্ৰাার পার্ছে ঘাইয়া জি-कांगा कवित्नमः "रेक्कारक जानब्रम कवित" ? "रेक्का নহে. ঔবণ আন''। "এস্ব'নে চুইটা বোভদ আছে कान्छ। निव, बूरमत खेमध निव" १--- भा जा के जाब একটা বোডল দেশ্ব"! সারা বোজন ভুলিয়া পড়িয়া मिशिरक्षेत्र अवर कहिलात । अ श्रेष्य भाहेरात्र अथन ও সময় হয় নাই। "তোর এত কথার কাব মাই भागारक रवांखवः है। (म')। , नाता अक्षति शुरहे का-ভরেভিডে শরিষজ্ঞি করিয়া কহিলেন 'ক্লেকাল বিশ্ব করুম শেলময়ে, উব্ধ খাওয়া জার বিধ शांन करा पूर्वे जमान। हिन्दे त्नत्र शहिनीत তুই চক্ক কইডে ভখন: যেন অঞ্জিক<sub>্</sub> জিল নিৰ্গত रहेर्ड मानिम, पूरे करनान लाक्डि वर्ग ब्हेल, ज-क्यारिय एक केटडानम कराउ भावतात विलक्षि कतिरागन-कांक्ररमञ्जा किशि থ জিয়া त्रक, जाकि मति कि नेश्वारायत मति जामाद नहक इरे नमात्र अथन अक्ट्रेक वटनत अटहा बना नाता

মূখে কাকুতি শ্বরে বলিতে লাগিনেন 'ন। না ও বোতলটা নছে," এদিকে কত্রীর বিকটাকারে ভীত হটয়া হস্ত প্ৰদাৰৰ কৰিয়া বোওল বাড়াটুটন निश्चिम अवर विलिद्धमा अधन ७ एहे मांजा चारी একটু কান্ত হউন আমি একটা পাত্র আনি। তি-নিও ঘেমন পান আনহান করিতে মুখ কিরাই-लान छ। हात कर्जी अब हुन, एक छेषध निः स्माद কবিলেন। সারা জন্মন্ত টীংকারগুনি কবিজে করিতে দ'রাভিষ্ধে দৌড়িয়া গোলেন এবং ক**হিতে** लांगिएन मक्त नाम कर्तन । जा कछी आपाम फिसी रत्यमः। जिन्देर्गन्त शृष्टिभी भरतनार्थ उदेख्यस्य ञहराश कविएक माशिसमा,—এथनि अनिएक আইস গোটাকতক আবে: বালিস আনিয়া আমাকে তুলিয়া ধর-এখন ও পর্যান্ত আমার ধাল আছে, শাস পাকিতে আমাৰ বাটতে আমাৰ - আজা क्ट के स्थान कविएक भावित ना। नाना कि करत किविया कार्रेल अवर वालिश कानिया कबीय नीत्व ७ शृत्य नित्। कदी खिळामां कतिएंड नानिस्तन, पुंचे कि दात जिल्हाजिन कतिहादिम। "ना"-"तम् ভোকে আমি ভূগেভিন্ন নিষেপ করিভেছি আমার আকা ভিন্নাৰ কথন উদ্যাটন করিসুনা, এক কশ্ম কর্ ঐ স্যাতে কাঠাণারে লেখনি মস্তাধার ও কাগভের বাক আছে আনয়ন কর। নির্ফেশিত স্থানে যাইয়া লিশিবার সামগ্রী তাবং नोहित कतिरान--गरनत गर्फा दुवि कि मर्गमह হটল তাই জিজাদা করিলেন-লিখিবার আয়ো-कम अथन कम। कमी फेस्ट कतितन पुरे লইয়া আয়ু দেখনি এথনা একটি ডকা পত্ৰ লিখিবার কাগত চর্ম্ম-নির্মিত লিখিখার কলক चक ग्रहिंशीत के हेत्र जिलक कांश्रम कतिरमन, अवर তৎসনিধানে লেখনী ও मनाभात ও द्वाचित्वन । रुष्ठ भागानि अदक द्वारश व्यवस्त, छोराटक व्यविद् বুৰিছ চক্ষকতা এ অবস্থার সহক্ষে মনের ভাব লি-शिक्षा भारतीम् कर्ता ह्यांश्रह सटर, कडा निचित्र का-য়োজন সক্ষুত্রে দেকিটা কর্মক নিক্তম হর্ময়া রচি 🔉 लमा पूरे अक्वार प्रमुख्य मुक्तिक क्रिलिम अहर के

नियान नितिक्तान केनिर्देशमा, जियेनरित रेलसमी धानी नंव केत्रिया शिविहातिकारिक उपविश्वी कहिरमन "रमर्थ" कि किन्नि"। मादा आंभभटन हैं के बीन के करियाँ विश्व कि विश्व कि एंड प्रमुख के के विश्व कि एक कि त्यम काएं काएं केर्ड कर्जनहीं केरी निविष्ट ह-हिन, "मनीय जिन्न जीवुल केर्सिन हि वह ने नार्ट्ड्व औठतरभग नाहा मुख **आ**त करेगा करेगा किना निर्मा किना নতি করিতে লাগিলেন, <sup>স</sup>্তৈমন কৰ্ম কৃষ্টিবৈন না केडीएकं विक लिखिरवमं मा," और विनिधां शृहिनीत इन्ड पाइन केतिरानन किन्त केती कान्य कानिए নরনে ভাহার প্রতি দৃটিপাত করাতে হাত ছা-ভিয়া टिलम। गृहिनी लिशिएक लागितिये, नि-থিতেই হাত শচল হটল শেষ অক্তর গুলিন এক कांसीन वान वान। श्रविष्ठ बहेदा खेल्लाष्टे हरेन। शहिनी कर्शक मिन्न करेया श्रेडिलिका आये हे दिया র্ছিলেন ৷ সারা এই অবসরে জাত নত করিরী शुमतीत कक्ष लिश्र है विभी छ बहरन कहिए जानिएनमें. आश्री काँछ इंडेन, यपि भूटच विनटक शाहतम मीडे छ लिथिया विनिवाद श्रीसांक्रम माडे आगीत अमृद्धियां इत्रेवात छात्रें इत्रेदन, आणि यन अक्कारी এ যন্ত্রণা সহা করিছে পারিয়াছি তে। আর কটা দিন ও সত করিডে পারিব, একথা আমাদিলের উভারী ্কৰল সংগ্ৰহ সাথি ছাউক, এজগতে যেন জার কৈছ क्षानिएड मां भारता करती छत्ततां कतिएसमा एमधे ও কথা খার অপ্রকাশ রাখা কর্ত্তব্য নতে, পাদার वाधिकं क्यांड कंदा आयंभाक, आंधि अक्यांत रेनिं তৈ নিহাতিলাল, কিছ ভিখন সাহস হয় লাই कांगात शहरलांक आखितं शत क एमि बेलिए विने भोत एम विशान क्यां सम् अकर्ति (संधम ताथा-व्यक्ति-भाकि । "जेक केची केहें लियती जिल, जाकित प्रक्रि कीय देवें देवें हैं, जाति योदर वालि छाँदे निर्ध के मादा को हो इं जा का का बाव ने देने के इंदर के किया न की से जा कर एने बंख कारी का नेवार प्राथ जिल्हा का करिया दि सामित करिएंड नाजिएनम । विशिक्षक न्य क्लिक - जूबोर के केर जिएका, के किये के किया है। विवाद स्कारति भारत के अपने कार्य के स्वाहित का किए का मार्क ना गीत

मींब किही काम कार्र में हैं है एक मिर्ट ने नारेड मुलीकर वेहें गारित बिद्ध केरेब किया हैंगे हैं। ब्रांति उक्तरें मनि कृषि कार्यात्र राष्ट्र केशित द्वापित मा ? कात्र राजुन कामात्र किर्किडाविसेनलास् ध्वर लाम्। আমার কথা যদি না বীৰ্ণ ক্লির ত ভোলার পকে বড় বিশ্বী িএকখা অবাজি কাকিতে আজি কবরেও सुबे चौकिएक मेर्रिक बीना चार्कि महिला क एकामात নিকট আলিব'। দীয়া এই কথা প্রবণ মাত্র আতক্ষে চীংকার খুনি কর্ম চমকিয়া উঠিলেন, "ওলো কিবল, ভোমার কথার ৰে আমারি লোগাক হয়'। এটিকে खेबरभेद्र 'खर्फ हिन्दे एंनच ५ गृहिंदी "विश्वल करेर छ-लागित्सम, त्याखित केंद्रेश हेक धुर्गायमान करिएक मौतिरमन अवर' भवराक्षितका लाग्न अभाग अभाग केतिएंड महिन्दमते; भएड अर्क गावेक क्वेट कु वे अक वहन बिन्दि भानित्ननः अवश तककृती क्रेट्ट धानान কালীম মন্ত্রকীগুল যেমন ঐশক্তিগুল পানে চার্চিয়া **হস্তান্তিভোলনা কৰ্ড দৰৈ।বৰ**ংক্তর দেই মত ভলিনা थातंक्त्वितिहास जित्र सर्वकीय यात रख धानांतर করিরা ক্ষাহিদেন : প্রেল্থ ' । প্রারা : কি করেন্ড ভারে चाफेष्ट-धीय रहेया विकास स्टाइन कडीय चाका थ-मर्ग (लब्नीप्श्रीक्य-कृषित्मम्, किन्तु जनरमनम् रहेत्रा আর " জক চিন্তা ুর্কারিতেরিতেন "কবল হইতে केत्रिवा तकामार्व-कार्रिक केत्रिवार - शहे कथी जाहात बर्म क्वांस्क जान्यक द्विम अवर अवहारे जारून करिया किना कार्कहर्म सन् इते की क्रियंगानः । कोकः शक्तः हिन्दि दिनद वृहिन्ति । तमकिएसम् तरम केमरमञ् आक्रीहरान्याम् ।विका-स्मित्रियु व्हर्षेक्षः चातिरु छ ईम-- चात्स्मितः वास्मिकः व क्वेट्डिट्ड । न्याक्ट अत्यादति अवेगक क्व अरे करत अर्थरम् अर्थः केष्यः त्रस्यं क्रिडिल्येक्काहरस्क विस्मय डेमकोष मर्मियाटक क्रिया अक्रमें स्टर्सक जरा गईपा এইটি ক্লেপীব্ৰেটালিয়া তথাকা লক্ষ্যিত জনাক नुरक्ष विकरित्र विकिक्ष जेगानमा र वास कविद्यार मुक्न मिकि भे नदाक नेयु निक क्षेट्र कार्र शेन । क्षेत्र शासित के कि कृषि कवित्रों के जिएकेंद्र, ''अपने कारेंगा के निवस्त्री के अवस्थातम् को साम राज्यम् छार्यः स्था आक्रम करिक्ट जा निवस्ता स्थार के लिएक र जिल्हिलन अवद

शिक्टीकर जीवाय क्ये हैरेट वाष्ट्रांत बार्जन विभिन्ने बहुँदे नानिन, मद्दर डीहान कर्न मिन्छ কভিয়াকি নিক্ষত পরিভাগ হচক করিও ক্রত रहेता। कांगरेबंद होति भृष्टी आर्य मध्य शूर्व रहेत गृहिंगी 'छए हुई 'क्निक हैहेरलन अवर काम कहेगा जारणां भाष मुक्ति करे हैं निरम् जीशन माम याकत कविद्यान । क्रारंग रेनिविष्ठं छेपाधव अक्रिके भेतीर्वि পরিবারি হওরাতে পুনরার বিহল ইইবরি উপ-ाता इनेने. सथा धन द जिल्लावर्ग पहेना उतिन, वाका অত্যাই ও স্থালিত হইতে দার্থিল ৷ পরিচারিকার हाएय क्रिथनी निद्रा कहिएलम, "कुँड आश्रमाई नाग नी ८० जाकी चकरण रलच्-मा मां जामि वा भाजन ঘাড়ে সমত্ত দোৰ কেন লাইব, সাকী নতে সহ-যোগী লেখ' । পরিচারিকা কি করে আন্তে: আ-দেশ অভ্যাতে নাম 'কাকর করিল। তখন গৃহিণী পুনরায় কহিলেন ''আলার পরলোক গ্মণের কৰ এই পদ তোর প্রভুৱ হন্তে অর্থণ করিব এবং তিনি যদি কোন কথা জিজ্ঞানা করেন অবিকল বথার্থ আহা জানিস তাই বলিস, মনে করিস যেন शहरतात्क रखोत्र विष्ठात रहक"। मात्रा कुछाअनि-পুটে কর্ত্রার প্রতি কটাক করত সাল্য অবলয়ন कांत्रता प्रष्यदत कहिएँनन, "कि वनिव आनि भाभा-চারিণী না ছইলে ইচ্ছা হয় ভোমাকে তুলিয়া ভোমাব শদ্যায় শ্রম করি"। "সে কথা খাকুক এখন ভূমি স্বীকার কর আমার মৃত্যুর পর ভোমার প্রভূর হজে এই কাণ্ড দিবে, না ডোমার কথায় আমার আজীভি দুখু দাঁ, জোমাকে শুপুৰ কৰিতে হইবে, ঐ শর্ম পুরুষ খান আন ভূমি দপথ না করিলে আমি কৰারত হাজির ইইতে শান্তিব নার সামাকে আবার मिश्राम देवीएक देखाँमात महेक सिंधा कतिएक व्यामिएड े हैं हैं(र'ं') रेजेर्टवांक छग्न धाननीतन भन्ने केंद्री है। निग्ना केंद्रितंस । शदिहांत्रिका कांशिएक केंन्शिएक गर्म श्र-क्षेत्र क्षित्रनं कहिएलेन। श्रीहनी धर्मा शुखक एन-विश्व केविन "बई शुंखक न। खांशारात वांगित याजक म्हण्ये कित्यन, लाकि विक्रमेल मम, इंडिमर्भा के मक्तिम कामदिक সাস্ত ন। কৰিতে করিতে বলিতে-

हित्यत, खंगन ज अधिमकांने देशिएक, कांशरहाँ में-हिन्द्र विदेशांत्र माहे क्र<sup>32</sup>े "काशि" कि केंद्रह निनीमें कार्मिन, वामि विनिनाम, असे क्रम क्रिक व्यक्ति मेकरनत महिंडे खीं कि बार्टक। रेम अक अमें रक की भिग् "छ"। नावे। केल्व केदिन "अफूत बाँकी जांभी। मात (नवत-- क्रांग कर्म कितिदान "मा/ अभग कि काशात प्रशिष्ठ केटैमकाकान ताचा केवन्य के कहिलान, प्रांचक्छ के कथा कडियाहिएनम, किनिक वित्या क्रिलेम डाइकि कि में भेरति - इक्के अने मकल लार बार्ड्सन करें। उहिंदी वामि जारा जारा फिछ्त कविलामः नेक्टलतः देगार्थं मोक्लमा कविदेशे পারি দেবরের যে দেবি ভারা এছদয় হইতে অপ্নীত इन्तित गाइ। के कथा क्यमिशा बाजक करिएलन, কঠোর অনুভাপ না করিলে ভোমার মন প্রির্ত ভ্ৰষ্টবেক না, আনি আবাৰ কিৰে আসিতেছি । ''কি বল যাত্তক পুনরায় আদিলেও আদিতে পারেম। এই অব্দরে দ্বা ধর্ম প্রস্তুকখানি আন্তে আত্তে सामाध्य कतिएण्डिलन, कजी जमार्ष्ट सीग्रं या-ভারিক উত্তভাব বাধণ করাত কোপ দুছে গারার এক হস্ত ধরিরা ধর্ম প্রস্তবেদ উপর সাবিধেন অপর হস্ত দ্বা আপনার শ্রার আস্তরণ উত্তালম ক্রিয়া পূর্ব্ব লিখিত গত্রখানি অন্তদ্যান করিছে माजित्यन, शत्रवामि शानेशा यन डिपिध एत इटेम अहे जारव अकड़ी जीव निवास काल कविरसन। कार्टनट्न कहिट्नमः "बामि अथन भर्गः स अर्छ क-कार्न इहैं माहे ता : जामात द्वीभटन कुलि, ट्वामा-কে শপথ করিতে হুইবেক, ভৌমার কথার উপর আমি আর নিভর করিতে পারি না। জান্ত কর भूष्य शुक्रक लंख, कानिखं खोगात अहे (भवं खोका) লক্ষম করিতে সাইদ হয় করিও? । রাভি প্রার্থ শেষ ठातिमिक निस्तत कम भन्तपात गाँछ। भन्न बाँठ, देखिँ-कार मीखि कारम कींगश्र हरेता वातिएक हिन, मन शक्त काला क मधीत्र एकं भाषा श्राप्तक कविटलेडिस, भएनत भएका कियेन मा भएतत जित्र निक के के कि वात क्रांकि श्थाबंत क्रेट्डिकिन । अने कारल हैं हैं। त्नत्रं मूर्व-व्यात्र गरिनी नया इंडेएड अने ए

কৰিছে ছিলোন, ''শপাধ কর,'' চুবৰসাত। বৃশত একং वात डांकात वाकर त्यान क्षेत्रकां हुन, आवात कर्नक পরে পুনবায় দেই আদেশ করিতেরিলেন অবশেষে लिखिल वस भागेमा को धरलन "मंभय कर (य व्याधार মৃত্যুর পর হুনি এই লেগি মৃষ্ট করিবে না''। দারা এই কালে দেখিলেন মুন্য কর্ত্তী স্বীয় হস্ত ভাহার হস্তের উপর হুখাতে উত্তালন করিয়া সুইবার বিং একবার জীহার মুখেব দিকে প্রসারণ করিয়। শক্ষেত করি-লেন ৷ অবশ্বেষে ভাছার হাক্ত পুনালার গার্র করিলেন সাবাস্তু স্ববে কহিলেন, ই জামি শপ্থ করিলান 🐪 কর্ত্রী কেবল এই কথায় সম্ভন্ত না হইর। পুনরত্ত ष्पमूर्याक्ष कांत्रलम, निवाकत त्य व्यामात मुकाद , প্রতিদি রুমি এবারী হসতে যাও জাবে এ লিপি থা-নি লগ্য। য'া,ব মা , সাক; ক্ষণকাল নিস্তন্ধ থাকিয়া किष्टित जो इक्तेश का शृत्व कि किट्राम । भाष्का धा अर्थाम नाम्य कवियाम्य" । किस है शेट इन्हें नो इन हेशा कर्जी शुक्ताय कोहरता । आत दल ५ - किय অবাৰ্ষ্ট কৰা পাঞ্চিত হুইলাৰ স্বাৰ্থক ছুইয়া পোল, মুখন্নী বিক্লাত অ'ব'ব গ'রন কবিল উত্তোলিত হস্তের অঙ্গুলিন্তর বাহু চটারত লাহিল, পিন্তু কণিয়াস হস্ত : देशम कातात्वय निहुक वावश्रत व्यमानिक १५शाएक সাব তথন ববিতে পারেলেন যে পুনরায় সেই উষ্ণ অনুধুষণ কবিতেছেন। ভাষাতে কহিলেন আর বৈ জ প্ৰতি পে ওলৰ বাখিয়াতেন, যাহ ছিল ভাৰত रा भाग करिएनम अयन कावन एकरे भिकाद छेंच्य জ্ঞাতে নামি ভবে কাহাকে ডাকি। এই কথা বলিয়া ঘার নিকে গমনোদাত ২ণলেন, কিন্তু করীর কোপ নৃষ্টি দেখিয়া চলনশক্তি টান হইয়। চিক্তিতের ন্যায় नखाश्याम विकासना मुभुत नाजीव अञ्चल काणि-उडिइन, विकास कतिलाम कोन कथा वृत्ति गीन-তেছেন, এই ভাবিয়া নিজ কর্ণ কক্রীর প্রষ্ঠের সহিত সংলগ্ন করিলেন, কিন্তু খানের শব্দ ভিন্ন কোন কথা क्तित्व भारत्मा मा, जन्म हुरे এक अक्ष्यक हिंड कथा विभिन्ने इन्हें हैं निर्माण व्यवस्थित क्यम अहे ্র শুনিবেন মে'শারো সনিকট হও আমার আর क कथा विभवात आहि"। किन्न मृत्युत कथा।

मृर्थंहे वहिला, वाका विश्वत्व क्हेल सा, कार्य मस्ताल ক্ষান্দহীন হইয়া আসিল। সাবা এক লখ্যে ছার 🖫 দ্যাটন করিয়া পরিজনদিগেরে ভাকিতে লাগিলেন কাবার দে, ভিয়া আদিয়া শ্যান্ন ক্ইতে লিখিত কা**নজ** थानि नहेशा ध्यानशास आत्रम तक छान शतिरश्य व-প্রেব নীতে রাখিলেন। কব্রী মৃত্তগায়, কিন্তা তথনও প্রাণ বিয়োগ হয় নাই সারা ষ্থন পত্র তুলিয়া লই-লেন এবং দেই পঞ্জ আপন প্রিফ্রের অভাষ্টে রাখিলেন ভাষাকত্রী দেখিয়া উচ্চার এতি এক দাষ্ট কটাক কবত মুখ ভক্ষিমার হাতা কোপ ও বিরাক্ত धकाब क ब्राह्म, कि क्ष कि क (ब्रम वाका होस, कास ফথা বনিকার সামর্থ্য মাই। প্রকাশের সহা বিব্ इदेन मनीक जिर ७ लामकी। इवेल इक मुख्यि इस्त्र का भल एके घर विचित्र हरेला भाग विद्वाद হটল। ইতেমান্থ্য সারার শব্দ কর্থায়। চিকিৎ-মুক্ত একভান বাবি একটি ভাতা স্থ ভবাহে'রে দ্বরম্ব গৃহ প্রাবেশ করিল। বিকেশেক ভাড়াভাড়ি শধনর পার্থে যাইয়৷ দেখিলেন যে ভাহার কাণ্ मार माहे. फि.इस जुडारक छ। किश करिएनम भी ध তোগার প্রভাকে বল যে তিনি যেন গ্রহ্ইতে বহি-গ্ৰহণা হন আমি আলিভেছে। গৃহমংগ্ৰেভলোক আইমা, কিন্তু সারা কাহার প্রতি একবার দুটিপান্ত করিলেন মা, প্রাত্তলিকার ন্যায় স্থাপনি এক প্রার্থে দাভাইষ রহিলেন। ধারি শবের আক্রদিন বস্ত্র তু-লিয়া দেখিবামাত্র বিকটাকার দেখিয়া সিহব্রিরা উঠি-লেন,তল্পারে চিকিৎসকের প্রাতি চাহিয়া সারার দিকে অঙ্গুলি দশাইয়া কঞ্জি, এর এ ঘরে আর থাকিবার अरहाजन कि एवं आकात ए विद्वाहि है निक्रायन अ-কেব'বে মৃজকল্ল হইয়াছেন্' 📖 বৈদ্য ভালার কথার (भावक के। कतिया कहिरलन, क्रिम साहा विलाउक नि-ভান্ত অসঙ্গত নহে ৷ তৎপরে দারার স্কল্পেন্দ স্পর্শ করিয়া কহিলেন, ''দেখ তুমি এখন একটুক অন্যক্তে হাও"। সার। গাজস্পশ হইবানার একেবারে व्यक्तिक हरेशा डेविंदनन, खतक व्याधनात वक्रुद्रन्द्रभव কাগত অত্নেরণ করিছে লাগিলেন, রাগ্রত স্পর্শ করিবামাত্র মনের সক্ষেত্র দূর হট্টা, জাড়াডাড়ি

HITS IN SIMULTING IN THE SEC. ना ना बिन क्षा प्रांती हो बादा करें के रे ध्रेम न नरें का विश्वयन संविर्द इंडिन । शास्त्रीमें देवा मानाबन रबन পার্থ প্রস্তৃক সকল স্থানে সকল নুভাগীতালয়ে স-वन अक्षाना रेकाकनं उ विज्ञातामस्य केनश्विक था-किन्तं 'अजविर माच्छ उँटाईमा' विष्ट्रंस किए केल र बेर्क्सकाम नार्शितम गाँ। किए विमान ्छ कटम रामणीह कात्रव तुषाब व्यवश्रव शहरत्वम, अलिक क्षेत्रीय निकृष्ट करेंद्र अहे बहुना खक्ष-লাৰ রাষ্ট্রত উহিত জেনি একী না নহিল মী। द्रीयम्खिमार्ट्य निमक्तिज, कचन काहात मन्द्रकर्मा ক্ষাৰ্ক্তা কয়, অহহারাজি এই ভয়। একদিন বাদশাহ সিংহাসনাক্ত হইশ্বা সক্ত্র মত্রিনিগ্রেক আছ্যান করি-त्रो किश्तिमा, "अहे विवयं **"क्वित्र व्या**मात कर्गत्शाहत না করণ জাক লোবের বিচার আমি পশ্চার করিব अक्षान का अमित्तात अहे अक्षे कहें एक गुक्त कतरनह দার্শ্ত উপায় নির্দায়ৰ করা কর্তব্য, পন্য কর্ম দূরে गात्क अक्षेत्र आंवर्तका दाकात अथम कंडवाहर ' कुने नामधानी बेटबा को समानि मालगानि छ গান্তি ক্লা সম্বন্ধীয় ভাৰৎ বিচারালয় ও বিচার সং किंक कंकाडित डेशत अरु अधान ताक्रमित निर्मा-জর হিলেন, উন্থার উপর বিচার সম্পর্কীয় ভাবৎ-দর্শ্মর ভার ছিল ইউনি সকলের নিমিত্তে দারিছিলে-ु खाँबाव होन्स्ति ऋगियास्त्र सर्वाद विठारतत था-मिलाकि । प्रति सर्वादक अहे नक्का घटना क्यू छेर-नटम वाबाह क्षेत्रांकि वालक अन्यवादि विकास अविका अवश्व क्यां (पाडका एक लगान पार्थ तकता तहे। कि स्रीक्षा क्रिया नामनाम क्रियद्वांक

त्येव देशीणादन जाणमे अवस्था रवा इक्टब विक्रमीट्रन िस स्टबर्ट हें िक्ति दम्भिन द्या मनारहेत्र क्षिक्र कामन शता अकृति वीकि **छीरन क्लानारम अव्यक्ति हर्षेत्र** य यमि ७ करभारमत अभ्या आर्थिक हेर्देश किन्द राष्ट्रे पिटन राष्ट्रिकेश स्वीत देशम अविद्या प्रथारेट छिन । योगेशाह कर्यो क्रिकेट क्रिकेट कतिवामीत गरहाय बारका करिस्तान देश हैं के देवर्गेति । एके ना आयोग बोक्से बोबीत स्थासित গের উপর অসাধারণ কর্ডেছ কুবিশুটি प्रदे वरमतावृद्धि अहे ज्यानक आदिन्छ है है যাহার কথা প্রথমার লোমাকিত হয়, সাহার হারছ গংখ্যাতীত পরিবার জনীম পোক ও ভরে নিযুক্ত रुवेशार्क बाहारक कातान तुम् नक्टनहें हिखा बाटम डिक्क आज हरेगाएक, जुरे हुई बक्सरतत भएका **এই অভ**গাচার নিরাকর। ও নির্বারিশের কোন क পায়-করিস্নাই।

বিচার মন্ত্রি শতি বিনাতভাবে উঠা ন বিলেশ। হে প্রতাপাধিত স্নাট অধীনের প্রতিষ্ঠ করে। কুপা করিয়া কর্বপাত কনে। সামার করি জাটি কিছু মানে নাই মন্ধার সাধার্দীন বে প্রায়ে করি। সকলই করিয়াছি, কিছু কিছুতেই এই জাটিছি ভাষোরি দিনের সন্ধান পাই নাই।

क्रमा **क्षितीं के एका क्षित्र कर है।** क्षित्र कर क्षित्र कर कि

अस्टिक्ट के प्रियम अस्टित है। दक्षां प्राप्त शतक अस्त्र क्षित्रार्शका छवाता जानिए शहिरवम् स्य अछ ষ্ট্রীজন্ম কাসনে শ্রারক বেনেদ্রি প্রাক্তর দাক্তি के स्वाप्त के केर्ड शारत ।

्रे भेड़िके कर्का क्रिके कार्जिक महानीक, प्रथमा काहारहर अर्थाद्यपुर्वा स्वन अमन हेव्यः महरू । कि करत्रमः भएतः क्षिक्षित किंग कार्गाष्ट्रवाद्ध करे जाका क्षानामक दक्षांन कर्गानकारन महित्य हेनिक क्षा विकास क्रिएक चारम्य क्रिएम्स । प्राजित ক্লোৰ প্ৰাক্তৰ সা কৰিবা মনেং ক্ৰাডি ভাগিত ক্ৰ্যা कर्मका अस्ति के विकास के विद्यान । सर्वत्र भी जात्र সৰ্বাস্থ্য ক্ৰান্তম বাইলেন,কিন্ত উপায়ান্তর না দেখিয়া শ্বহিশয় বিষাদে মধ্য হইলেন। সমুগ্র নিজে বড় স্বস্থ क्रेंद्रक्त् मा, किलिक, विदारि मध क्रेंग्रा बांच गडा ভেক্ত কর্ত নিক্ষ পুরি মধ্যে প্রবেশ করিলেন এবং মণ্ডাপ ও যাশ্বৰ নামক তুই প্ৰিয়ভন রাজপুত্ৰ ঘ াকে আহ্বান করিয়া, ভাবান বৃজ্ঞ জবগত করি-**লেন, ভাছারাও ভচ্ছাবনে বাদশারকে কার্যা-**পুরেছে। ভুচজ। প্রকাশ আহনাক বলিয়া অনেক शास्त्रभा कतिरागम। व्यापत त्राप्रमीकि अञ्चर्यातिक রাজ, জুনারণিধের রাজবালীর বহিগতি হওয়া নিৰের हिन्न, क्ली क् को इक वायू अवन आदशम ध्यासाम রাজপুরি ও ওদন্তপত পুস্পোলানের মধ্যে যভদূর পর্যন্ত সাবং ভাছাই করে। আদেশ। পুরান্তর ্ল্যেক্সমাজের সহিত উচ্চোনিশ্বের কথোপকথন আরাস পরিচয়া, একেবারে, বারণ ছিল। **奉**憲。 वाका महार वर्ग व वर्गन हो इहेज जलावर छोड़ाः विस्तात विक्ति कर्ता रहेक क्षान्तार सम्बद्धारम्य विस्तान केशकात केशकार्य क्षान्त करते किश्ची বাৰ্থানীৰ উপস্থিত ত্ৰ্বন্ধাৰ ভাৰত আৰু কাৰ্যান্ত্ৰাৰ কৰিয়াছিলেক হৈ সংখ্যাৰ আৰু আ तिर्द्धन अर: ७२मा है कार क्षेत्रक किया कि क्षा करिया गाउँमा श्रुकान में करिया जिल्ला कर्

THE TAX PART PRINT THE TAX PARTY

नर्स हिन्दुन क्यांनाब मानव सीना सबदव इके नका तालाका नामत उ अकार्रिशत (क्राधामन मिकीन करा सामात था नगम कित बाद समा सेनाई माई। कारतः व्यक्ति । याद्य किल्लाम, कृष्टे व्यनत काम्य कान्ति इरु इत इरक्क नास्ति तकक भवन अवनिगीम शति-অসু ও বছ বারায় যে গুপ্ত তুর্ত্ত প্রকাশ করণে জ্ব-সমর্থ হর্ষাছেন অপ্তাহকাল মধ্যে আমি ভাহার कि कतिर । इक्क भाग्रं मुशीटक वर्ग कता, अ मञ्जूषाटक শুসর করা 'চ সাধ্য বলিলে হয়। কোমগালি ক খ্যা-ति प्रस्टिः मुक्तारः एरिस्सम्। त्रिकः । हेशाः 🔫 किष्टु मारे है। कुछाखतान (क्रांशात अमन क्रांकीय मक्ष्म (कह माहे बाकाता मगुग्र केंद्र कह व्यवक का कार् পরিবর্তন হইতে পারে। ভাষা বলিলেন, আ-মার ক্রাতা পানিবাহ দাহেবের ক্ষমত। অনেক षाइ, जिम्म करे, बाकाका अब्दुश् क्रविष्ट क्रिट्ट भार्यम् ।

शामास हेक कि चरेष्ठ असाम कहन के प्रश् নিরস্ত: করিয়া কহিলেন। 🚜 জিয়ভযোগ্রাভা যদি আমার পদাভিষ্ক ক্লমচারিনিগের শাসন कतिवात म गरित अहे आका विशा शास्त्र अधिम কি মানে কর কোন পাশার কথায় ভিন্নি , নিয়াল व्हे (तम १ : अहे कृद्धाशकश्रमासूद्धः मुक्दसहे क्रम् काल विखास मन्ने क्रेस्, स्त्रोमान्स्यक्त, कृतिश विश्वित अधिक स्थापन विश्व महिला कार्याक महन अक्टो, कार केमरा अस्य श्राहक, अस् ्रेस्क वृत्तित কাছৰতে ছই এক জেখাকৰিয়া কাছৰ নাক্ষ কৰি-्मन त्म पश्चक अक दुश्चित्र सिन्धि अकताता লে ভাষার উপায় কেই। করিটো (सब से हरें कि संस्क

अंत कारोब न सीचे के रामन MANUFACTOR AND AND CONTRACTOR THE HEAD WITH MICE SHARE GRAIN गंब सिंहिंग) रिकांत मंत्रि बहे बारकांत्र रंगावकांत क कर्व वामाविक्षक विकास करा वेतर वह गत महद्दा राजा। पागाव विका िलाई सहस्वक होरे। मनाव विश्वाद मजी अभिकारी चाकित्व मार्ड, उदमितिरादर मुचानम ें हैं अंबिक केरो कि हुमांख जीन जिन विषय नहें। जी বাকি নাম্প্রাক্তি অক্ত প্রাক্তিশ অভ্যত্ত বা কো-नजानी नाति नातन तिक हीतम तकार्य काह्या क्तिक व विमेश साम्बद्धकिरित अवसा डाहार मुख्य-कर्तन प्रशासनिकात स्ट्रेलिक । खुनकेका निक वाका व्ययम मार्जिंड बाजर है जिला इंडरनम, किन्न कि वा-केंद्रिक रहे विकास अहर अहर के स्वार्थ से वाहर अहर सन 'उदिरंश निट्नर' खेशनिक मा केतिया खित्रार शिक्-भाका भागार अच्छ। इस्तित। संस्थि निका विभि मण्युने कविचामाख रेकिंग कवन पृष्टे क्रेन क्रीजामानी मगा किया हारत विकेश किक केटचमा मामरून अकाम क बिट्लेन । कर्ने एक बेन्स्लॉबर्नर (मेंबिक्स त्वाथ इश त्वस वर्गीय विनाधसी नहाई अवजीन। इक्साइमा प्रथा वस्त मराज क्लिंग कहिंदी स्वित् मनासून तास्त्रीय विशा नाम्ब्रा असम कहिंद्यान अवश्यातिक विकास वर्ष किपार बाजाब करेंट वानिताम । बाजवानि छे-भाविक स्रेशनके गर्छती वंत्रक वाद्यक्ष विश्विद्व वंशासक थाकिएक 'बारम्भ कविश बालिक अरक-नांत्र कार्यक्षेत्र कार्यक कार्यकार कार्यकार कार्यकार क रमगानिशास्त्रके अर्थकर है। सा श्रम

क्षक त्मरंभ त्मनानीचित्रभन्न वर्षस्य भन् 'क्न अवर वक्करमः नगीत मल सहरूक भनिष्ठ ही कविलेक है ग्राट्ड । हेस्ड भग वाचा। विका हैमि श्वाकानित्रमं मुक्तिभाकः पूर् किन्न राजना मर्द्धा होति : अक्समं क्षानांस कर्णाहाति : हेशांत्र क्षान हेत कमको, व्हें साह अम शामा है भागित है नार्कामिरगत कृषा । है शंद गम स्थ स्वन्तिको साम् मक किंद्री लेकिक शतिहरू अलामस्त अक्की बाज रहार कहिटलेंग, रेनडेकि नका चित्रे काश्चार क्र**डी**केल निक इस्ता जनवर। श्रम्भे निन्नित्र काना करी ता । प कर्विता का क्षेत्र के कि निक्य क्रेट्रतम, जन्द्रभट्च स्कूप विक्रिती कमात्र मंबन्ध्र क्षिविद्यात्मः मम् इत्या छोत्तः शार्वनाय नन्मां इंदेरनन विवर काराटक केंद्रिक देखिता था-পন পশ্চাৎ যাইজে আদেশ করিয়া পার্থবার্ক এক भरकारके महेशा तारम्म ।

করেরা জ্বলার প্রকারের জ্বলালার করিছিছিল করেরা জ্বলারকা বহিপাত ভাইনেরাল ভবন উল্লার মুখাবলোকন করিলে সকলেরই জন্মত্ব হলত যেন ভখন সেই মুখাপ্রতি জ্বালা ভর্মা জ্বাল্যান ভিনেরই চিহু জ্বলিত রহিয়াছে। আগনন কালে বেমন চিন্তালিত সালিনভাব ছিল ভ্রালালিত ও মারীবের ভ্রিনালিত বিলক্ষণ আন্তরিক লাই জ্বান প্রকাল পতিনালের ভাবে সল্পূর্ণ উল্লাস্চিত ও মারীবের ভ্রিনালিত বিলক্ষণ আন্তরিক লাই জ্বি জ্বান প্রকাল পতিন ভিলি প্রত্যাগ্যন কলে পুর্বালেশ। ক্রলালিত ইলি প্রত্যাগ্যন কলে পুর্বালেশ। ক্রলালিত ইলি গ্রহালিক্তে গ্রহালিক্তে গ্রহালিক্তে গ্রহালিক্তে গ্রহালিক্তে গ্রহালিক্তে গ্রহালিক্তি লাক্তি লা

हिल्लीय क्षांकाभा पर अटबर है के बहुर हिल्ली पर ह आहर्ष्यानी स अवना कलिएनम स्वाह नाम उत्ताहन 图的中国的一个一个一个一个 क्रिका को जिसमें किरियन में विक्रियों कर अपने कर क्षेत्राक्षमाहरू अभद्र कतियां कवितिके स ं प्रकासात त्यानं त्यासिता। कामिल्लानः गर्डक्रे व्हेकामः क्रान बाई क्षानमें देव पृत्रिकार तकरीटकहे टर्जाबार बाजून কন্যাহিরের সাঁইউ সাক্ষাত করিছে বাও। তেলানার मापुत व मानुवाविश्वापना वामात अविवास प्रतार आहेता विवादिक स्वी करेशा था किए पर देखांबाक कर क्रिकेड बार्क के के अपने करियों के व्यवस्था अपनेक ....क्रम नाहरतम् । २ ० ० . चरक क्रेड केवा छाउ-बाउद र्वालक्ष्म भिका अक्कि क्यांच्यांच्यांक्रित बाहि विक्रिक विकास के बेगाहि संबर्धिक कार्यात সভিত্ত তাদা বৈশী কথি তিইয়াছে ভাৰা আপিনি ভ क्रममी किन बंदा किशादक कहिए हैं मिरवय। विश्वात मृद्धि उर्द कथा च्छामता। विभिन्नमा उत्त चामांन्रिशह ভিগন গৌনাবলয়নই ভোগ ডোমার মাতুলকে ভবে ভূমি এইমান বলৈও, যে অস্তাহ মাধ্য এই ভারানক আভাচি হৈর মুলামুসকালে মর্থা সাধ্য তে**টার** জাটি ं कृदित ना छएन विभ जिल्हां संविधा वहें छटन जिल्ह क्कामांत (यसम आगम कम्ट्रे किथिक विश्व मन्द्रे वेश्व ছট্লে তাহ' বহন কৰা কজব্য বুকেন **ওঞ্জপ আ**মিও ্মৰ্ম দিবলৈ প্ৰাণ্টিতে প্ৰস্তুত ছইব।

#### 文 熟明[[]]

প্রথমীয়ায় রাজি হালার্ড যে নির্মান উপজিত
হয় দেই দিনের প্রথমিক নালে একটি ছাক আননি
হয় পুনর অতি হাজোলিক সিন্তার পরিয়া কাহকেন্দ্রাচন্দ্রের অবন্ধ কর্মন ব্যক্তি বর্মে পরিয়া
করিতে বিশেষণার্থী হয়ে ব্যক্তি বর্মে ক্রিয়া

C SERVICE STORY OF STREET क्षाना चार्कामानि जानकी क्रिकेन केर्यान किया किया। इति मी द्वार अवस्थानमा, महिल्लाहर नर कताकर नाम भागामा क्रिका स्ताप (विश्वविद्या क्षका का कि के कि का निवास करें निविष्क नेगा केल मा बिलाक वार एड्किट के बेबत वेंक क्ष्मा क्रिए क्रिक्मी वरनाक जिल्ला क्रिके श्रवित्राक्षक्षक अवहि भारतत्व विकामाहरूकि व्रम निवा भीना जाएगाक वर्तिक विक्रिक क्रिके बाह्या का (बल पर जिल्हान चन कार्यात किसेश्वर क्षेत्रीत शासकी व्यात्रियात्र काएन्स काइएस, एवं महक्त कः कारत चात्र रुक्ताक्षत्र (मात्राहित वेशाविशिक केकिन व्यवस्य अ भाविकात क्रीक छ छित्र रेक्शन करे हैं। हेकांबर नमः करमः दमहे पुंचा केतः समक के अंकर अधिकी बरना जाका जार्शका किंदूम ल हानर्गक्र मा। ब्रेनेक-नास रमशीर्माविश्राक्षमध्य मर्व क विश्व बना रक्षम्भा-नीय जारवात कार्यकानकामिक क्रिम मा। क्रिक्ट मेरे पूर्व काल्या तन्त्र रथ 'बनिवास द्याक्षीक नामनाक प्रवि-ग्राहित, हेशएक श्वीम हरेका एवं कित्वा नर्वास्त्र जिन भाषारककेशनिरभन्न संघ मुझे स्वरूप हिन्दा । ··· पूरुक क्रांकीय स्वरंकिय 'करवन क'नीनः छ।हा-क्षा बाह कावा धक्र करण जिल्ला दिश्यम काहारक छन for at their bon the way, winds राविकामानि जेरीक्क कार्ति स्वित्व मिलिया इतम कुंग्रेस पर्देशका अपनित्र के रच किस प्रति

14



मध्योकः, क्रिक्क्यं क्ष्णक्ष्मभक्षां सं वस्तिधक्रशिक् मटक्षाण-कार्यासन खनक रमियासमा (व की कार्य शनकार एक *त्यमाण अवस्था मध्यापम कविश्वासम खावादा छैं।*-केक्षाभिरशंक नेशक व्यवस्था नाम श्रुक्त खुलिश्रोत । श्रीवाक्षतस्य लाया स्वत्यस्य वसः अध्य अभिवास व्यर्भकाः व्यक्षभक्षिक्षक विकास विवास व्यापक करोरक टीएव मध्या नारमहात्यांनी ब्रह्मक सामग्र केरकृष्टे, करित अलक्षाकश्चित्राचे ग्रानिमध का कृषिक पुत्रे क्यांजि क्रिक्टिंग क्रिया क्षेत्र त्यांत्र क्ष्मार्थन स्कून সঞ্জিত শিক্ষোপারি **ভা**ন্ধা 近時間 京門· (南町) म्भियाद्वारकत त्वन कुमधा ए भाषांत्रक केनकीलार्धान वी-व्यक्तिक व्यक्ताः केर्णात् । त्रन व्यक्तिक विश्व क्रिंग्स महाप् कठ का स मीर्थाकात व्हरून क्षातावाह मध्या अवि आहर असेकिकि विश्व अनुसरमा उने दरमम STATES AND SERVICE STATES OF STATES

以下可可 中心中心。 **阿尔尔斯 电对对路域时**可 地名斯 阿斯斯丁州 कविद्यान का निक्रिया का कार्या है। में निक्रिया का मान অবগত কুইবাট্টাম, ভাৰাথ আৰণ কৰিব। একাটাম व्यानम्ब कर्याः व्याक्षामानिकानं व्यक्षाः स्वाक्षां व स्वाधः কছবৈ থাকিলেক। **আ**ৰি উভাৱ ক্ৰিছুমালৈ ছক্ষিত गुर्स्य भावरम् अ अवस्त्र कमानि भागनेन अधिकांत्र मा। वीकवन उन्हर कविश्वम व्यक्तिम यक्ति ব'লভেডেন স্থামবা ক্লাইছ : স্থিলেন্দ্র্যালয় সি, ক্লিব न्यायानित्यक त्याव वर्षका प्रत्य शासका प्रत्य प्रावडे अवस्थात कडे बद्धाक क्षा क्षाचिएकलंदिक ार् करेटन लातगरमाबादयक, क्षेत्र कालोकरेकि । সংগ্রে গুত কবি। আপুনি কি আন্তর্ভা নারে এ পুতকারীকে রাভ।জ্ঞার প্রচুব পুনস্কার ক্ষেত্রীকৃত্র সুক্র क्रमं अम्म किल्या लाहिए डाबिक लीहे ,न स्म करिक बरगर भक्त जोचेया औं जो उनेर र स्था था जिल्ले Weisen miatonn, mennentanten auf faffte ! बहुक बना क कार्य के कि के के बहु के कर कार्य के कार्य के कार्य के कि कारक, कोशास्त्र अ निवरक्षण्यांकाक कान रक्षेत्र का 等等中国100 的对心 多数型 1 等级的 化硫酸钠 (地名美 本事を明 Co Catal Matica 参考に対象の。 (成果 विभेरत जांबाटक को भागिएक प्रदेश है अहे **年乙进序 华州州、冯林石河 《古安僧》 运**过

িক্ষ্যান স্কিন্ত অপ্ট্রাছিলেম, পি ক্ষুমি शुक्रम उद्घयश्य को इस्त्रीय, युक्रा क्षिकं नाज आक्रोहक (अडे अंध्युहान क्षारकन कड़ा-ক্ষা আপারি বহিন্দের কিন্দিহকার বাজিল া ভার্মক অধিয়া '৯নতা । নিধ্যা' হিন্তু' করণাস্থর আমি অস্থি किर्योश्चर बहेलायां वित्तान कावन माध्यां की छ देशन क्षित्र हित्य के महाराज क्षेत्र में महाज्ञाण के विभागित । 水事を物ったのか 日本 अरहरा .च हारत हेता প্ৰেম্ব পুৰুষে াই চাংগে জিলাভংগাৰে" কৰিবজাছিলপাৰ की देशक जा है। स्वारंत्र सं कानात देश का के का बाहरे केंद्रितंत्र' आद्दान्तीय शोगजी आस्थम के तिर्ध मा' १ अभिने च्हेरक गए। एवरच कहेश एश अहेलाएक अर्फेसाम क्रिकेट, डोग/बाह्य केटी भाषा मध्य एक करेर व अर्थ शहरू । तर्वम अभिराम आभाग आभा माम एके विका केने शकात (इस्पे केन्द्रिय का कर्न कहेंगे, क सका क कर्न-े किलाम अभाग मार्ग आभाव जरहत करके अकता থার কেন্দ্রাচন করিল, এবং তলপ্তরত খন করিছ, भौतेला प्रकार के कार्य के एक एक किया के के लिए किया के किया के अपने किया के किया किया के किया किया किया किया कि স্থাইয়ু তেজালৈকে এক্সেকি মনিক্মন্ত্ৰ্য চন্দ্ৰ হাছে। জন क्षा के हे हरा काहे आ या छाड़ी व्यक्तिया । अवसी अतः क्षीशक्तवी गुरु । १५ महान आर्थन करिएमान अमनवर्ग क्रिया लातना मरकृति श्रानित्य लाउन मामात की कि भर्त्य विशेष हिभागा के भूगेन मुभाष्ट्राम्य क्रिकांहैक कर्त रेडल । देशनम बहस त्यम, शुन्ना ह हेन्स शृह जितन हिम्य अने प्रीक्षित आणि उकर हे न्यान होने कर ने क सिकां व कार्य न जागगान अस्ति । भनाय अस्टिस 🖦 बर्ग्ड 🗸 नेम नेस कहिला अजीव निष्यात्र वर्ग वर्षेक्षाः किर्वास वेहतर है स क्षेत्रके ही हिए क्षेत्र । संबद्धारक क्रांसन्य क्रीत कारत मार्ड मूह नेजीत कृषिणांड कर्तना क्रिक कुरियोश र रेटनम जेन देनि अस्थाया एरेटक मि केंद्रिक अपन्न अपट्रक केंग्रे ए असे मान कि कि कि कि दिन आर्थिक लोग रिन्ड व के लिक्के निर्मा वाकी विकास MARKET WALL OF THE SERVICE

रहेका लोकानक अस्टब्स वा ने किस्ताक सरक स्वर्गान है है - उक्का हुन् रिक्रोन्ड रूप । का का किस्ति के कुर विक्रान्त के किस मार्थ अपि कि विकासिक देश हैं। के किस किस के किस के किस के किस के किस म्बिकार क्या किंक्षांत्रकार्ग .श्रीवनक्कारकांक कार्यव्य पेनल कल्प र के काम्मान भागन कर्ते हैं है। रंग श्री से किस 'শ**ালি প্রশেষ-কেরি**ছা' ভিলাম **পেই' খাঁ**রে **স্থাই**য়া ছাব क्षक क्षित्रमारे खरभात कामिक्टिया ममस्थित। हारम প্রার্থন্ত গুনুহ প্রা**রেশ করিয়ন্তা কহিনেট্ন** শ গৃকটি **অ**স্থ্য नानांवित अलशाहत जानां छिष्ठ **अवर आष्ट्रिकारम** একনি জলোকদ-ভট্ডে ১৬২৮ প্রত্যুগ্রে বারি ধারা भिनेक "क्ते। क किलों। कमाराजा सुन भएना ८काके व বয়ংক্রম উনবিশ্বসবসর ও ক্ষমিকার বয়স সপ্তনর্শব जावकमर्ड गुचाक्शमा आवानः (क्या जानागुक हो। हा, ब्रह्मात कुछ क्षर्यस्य अहमा 🖟 श्रह्मान । क्षित्रपट का .দশ কন্দ্রিক স্পান্ধ্যাপ্তান্ত্রকংগ ব্রস্তান্ত অকপ্রান্ত্রাকে वर्षमा कात्र (काल्यूरवात कांत्र काम, व्यापि का उस्कानकल কথাই #ছিলাম ৷ উদ্ধান। ইতিহাত, ত সমস্ত ক্ষ্মদান. इ.स. श्रेक्षकाकः निकासांभक्षः क्षेत्राः श्राप्तादातः कृशिक्षः रक्षक्रम करिए । ब्राजिएलम । जनमञ्जून मस्बित । क्षेत्र कर्रवर्गान, ' क्षिन् ५१ ना । ' क्षामसंविधाक किमा छ। कुक्ति ্ভাস্থাকেশন,নাইয়াছেক" ওখন পানি ক্লাব্যায়কৌর समनाव क्रिया कि कांजा क्रिकार खनियात क्रियान 秋月洪東海南中山海 四日 南北南西北南市山南南南 with Marrie of the Marrie of the Company of the Company 神神神神(後の神) ちかかう (神)神神神神 (神神・ち) व्हरेक् का क्षिप्रभाग विशेषका अधिक के विशेषका 李明·明夏明·南西南南 中国的中部

西班 西南田河 (四)至少谷草(町 田門門田)時間以日野 可用 中一 ব্রু আর আমাদিগের ব্যবহাক প্রতিক্রি করিছে शासिक्षा । १९५१ ककाः अक्र. मार्च जामि अकरोर्ड चाः-इ.क प्राधनुब जिल्हा इहेजांका । जब्दान मध्यम कवित्रा डांश्मित्तकं भाग दिक्यामा कविवाद छाहीरा विभ-প্ৰত্য কোঁটোৱা নাম গুলনেছার আৰু কনিভাল मध्य शीवछ। यिनि উटफ-श्रतः किथिए श्रूटर्श न्याः श्चिमाव जार्ज भविद्या फाक्सिएड"विश्वासा पिडिम १६१६-দ্বের পিজা উছির নাম নলডাবান প্রান্ধ आधि श्रमक क्षिक्रामा कतिलाम स्म ६३ वर्गशास्त्रव श्य डांडावां आभियान महिन्द्र के अकार वावश्य क-विद्रांतम आदि अभागात्रच वा उँद्शिक्तिन्द अध्यान्त्र माना प्रकाश श्रीष्य कडेन के जिला कि । कालाम হাৰ উত্তৰ কৰিলেম জানিনাত এখন আমাদি**লে**য গড়েড, সে আর আলাদির্গের আজে লঞ্জন করতে भातिहतके मा आब यनि आमात निमा ह। जिल्हा প্রকা থাবদর ভানিতে পাবেন ভিনি ব আঘাদি-্মর বিশংক্ষ কোন কথা বলিবেন ভার্তরও শৃক্ষা नार्छ . सर्बाह् ज्यामना है शक्त अधिमित भक्तारे खानि-कामन भौतिन अर्छ श्रेष्ठाञ्च अर्थन कविया कन्का-क्वि भड़ करिएलमा क्रमानाश्वर खभिक्रिक वृद्धि विज क्षत्र रेमिटिंड भारे । शुक्रम् कहिटलन, ज्ञालांन अक्षेतिरंगात कि विकासी के क्षेत्रे कर्तान कतिहान गा. केरावा "विकासिक्ट अवस्थित कम को नम कि हुई कारन का देश हैं कि निकृष्ट बाहे, करव बागारक क्षिमानार्थ अर्मनार्भिक्ष आहि क्षेत्र अरुन करियात अकि शामे चिन्ने (केरल काशनाई काल दिस्मानन स्त्रा नियासर्ग निक्त में सिक्ट में सिक्ट भूक गरेगा शिक्ट जा-वैके शकितीय मिनाय मिनाय कालाकश्में केवा म-उड़ि बर्बन्स्या। पूर्व (अन् वृत्र क्रिनीत श्रीका भिराम महर्म। जोहार अञ्चलकी कितिम त वर्ण की र्वा राष्ट्रि कात्रावस विस्तारि स्थाप तर्मा एक उक मन्द्रिकारने के किए के के देवत डेनाय कार हे हुन से संस्थान की किया है। कि का पारिए शंक दीन

आग्रस एकन बाविकांग हैं के कहें ते कि विक्रा नारमान शहमाहनत अधिकारगावे लिला निरंत्रव विकेश प्रविवद्य जाधात गरमङ भाग वर्षः । अभिव्यक्ति वार्क आरकाडा के नर्भक विश्वन तक विकास विश्वित कर्र जिससे भेटल जिल्लाची स्वामी देस विश्वि केषांत्रभा तमार्थेन क्षेत्रिया का ताली क्रिक क्षेत्रभाव क्षेत्रिक कविशाः चिम्हित्सम् चन्न २०० आध्यान्तरम् । म् । मुद्दे लकार पर एक धरिए मिरिस कार्यक, रशीब्दक क्यांक्क । हैं लिए स एंडर करिए असे गाउँ तक असे बार की পার পারেল ভারিতে পাইটের্ড জুক্সি, জাজ্মী तिकालनः कमाराधीत्रते भएतः वानि माधी १८ अच्छेन मुक्त जीन आन्यभारण व्यक्ति इंहि साहित लागिन कथात कथात होतानिया है है जिले लाम व वारामानीटकं कांग्रल कुँहींगेटके लिक्क বাস হাব্যভাত এতি অভ্যতি হয় ভাসে টিন্নীক भगडिनगडार्य भागिमा (याणा । निर्मास भटिके भू ने नजर की हार १ एक । का राष्ट्रप को अ खाएँ व किन्नू में ही आशिक मा विविश्व, वनाय अञ्चलके खाकान केविटनम .१४५ छ९ भग भागिम नाभी त्रामा महत्रवृत्ति शक्ति वक्षारात निर्मातक कति। यस वर्ष स्था श्रेष प्राधी चायतः मञ्चानात् अते प्रसम्भुनिष्ठ "नेप्रमान्ध्राम करिएक भागित्र व । अ अक्या दिना के कि केमान হার জামার চিম্ফুরিণ করিয়াছে, হিনি জায়াত্র লাহার পালিএবণ করিলে হয় ঋান্নি সেইনারী কৈন্ত্ जारी कारतिक अवसे कांत्रिय हो। कर्नामुस्य कांत्रिक **लग** अकात अहर त याडा उन्हें शीतको, क्यारिक प्र डॉक्टी फिन था। काकारना शाधियकन कर्त्तुम जेहि थालित भ नेकान जाशमाश्रीन किला करिया केर्द्रिक्स. वामि धालमानिकात निकार अनिविधः व्यक्तिन (मंभीना अक्सन द स्थित १,७ भ देते एस क्या है। का क्रिटिंड इस देशह कान क्रिक्सिश शाहिरके 'अहे क्यी ज्यानविष्यि हुई 'स्ट्रा ८४, ११६४: र तहा डिहितन, कविकात में। सावित काल्याकः

क्र कंश्री क्रिकाल आलाकित कि, उत्त अकेने क्रकेते. भक्त मुंदर क्रिकेट आंस्क्रान्टिंड क्रमणी क्रिकेट क्रिकेट

क्षेत्र करियारिकाच क्यर नेक क्षात्रहें किर दर्भ

नेताः क्यावार्तः स्रोताः संस्थानं कात्र जाराजितास গ্ৰেক পৰিক্ৰী নাৰ একটি চুকতী কলা ভাছালি किर्देशियोत्तराम कर्नास्यक इति मश्रीक्रम क्रिक्ट्रिक মন্ত্ৰিত আছে নহি কিন্তু ই হার সহিত্ত ই হাছিলেয় िरमोखपर 'स्य जिसि भएषा महश्रकेष अवस्थित िरिटिग्री क्षेत्रकार्य जनसः न करतमे । तमारत जिसि िकिकी कार्रोकिंड अधिरावर्ष, कानराव भारे . b. নি স্থামিরী বঁনি সে স্তানুন শান্তাহ্বান্ত কবি, এক দিম कि कि कि के कि माहित मानित कामाह हो है। ক্রেমিণীর্টার ক্রেমানিকের সক্তিত সংক্রেপানে যে সাং শিক্ষেত্রপ নাজ্ঞাক্তবন ভাষা ইকাকে কভিতে ক্ৰীৰ ভ তথে বলি ভাষাকেন্দ্ৰ দলকে । কাৰ জীবা হয়তে লক। ডিনি মথম জাপমি এই গুলু প্র-বিশ্বতিশ এছ চইটোন, উত্থম জার কোন কলা হাজু मीत्रांड भारतदान मा । अभिनाम, हेनिय भन्नम क्लारी । यहाँनम होशा कराड डेन्डर करिएमन (५)को भिन, भी भनाभिरभन भात धक छन न भरतित अञ् ষ্ট্রা, পেইটি সংগ্রহ করিন্তে পারিলেই অযাধে আপ-দৌশিশের প্রীতি রসংখ্যাত ধ্ববাহিত হটতে পারি टनका स्कृति छ। कांत्रक्षं, मानवाम, इडिक मूलरेको नामी नवकानियोत छि तक्षम कतिएड পার্বে এয়ন একজন পারের জারশাক হটে। খারিল ाहि कामा कार त्यान अ कना हि एक. देनिन अक जन প্রামার ছাহতা ন। কি " ভুক্স উভন্ন দিলেন। हैं हैं व दूस शावहर कि हुई लाबि ना है नि द्व मकैसश জিপীয়া এই মাত্রে জ্ঞান, আংগনার ভোষাহ্যাল কবি-ক্ষেত্রিনিকিন্ত আপনি এবেশ করিবালারে আপ-माई मेल लियश मामस पूर्व व्यानिहा त्याहि छ एके-किर्दिक्त मा भाव महाम कवित्रीभ एक एक क्रिकेश्व महिन्द्रश्मरिमिस्ट नव मनेनुनं ,यानक नाज यानिन । थानित कान छैउत मा कियाँ फालनाम्बर्ध हिस्तेत्र भगाइक्षेत्रीः विद्युक्तमः क्षेत्रकृष्टिक्षित्रीभद्रमध्यः। 'आक्रियास लिक्ट्रिकः भागिः तर्रि ५८ वृद्धिः विकासिक्ट्रिके निकियनिक स्केट उन्हें रहा है।

ক্রমশঃ প্রাক্তালা।

### डेकीन घठका

এक जम स्रुविश्रीस धर्मा इति शाही एउ खेर्ने हिन्द একণী গৃহত্তের ন্যাম বাজায়াত করেন। ধর্মান (इति ७क्सी अक्षा) विकाह (सांभाकमण किल किस् धनमालि डेभयुक भाने फाट्य विराह इश जोड उभक्तक अञ्चल-मनंक केमराह कल लाउट्या ম'ভিত ছট্যা জাদিব" ছট্যুট্রিল্ম সহজে মনকামনা বিদ্ধ হয় এমন উপায় মা কেভিয়া এক कम शविक्रिक उक्तिमार्क मियानन कि इसे सि कि করেন যে খদি ভিমি খিনার পিডাকে উভি रहेता हुई अर्थ क्या भरता खेला हुई है है आनमान करत्रन । क्रिकेट जनका विकास भव निवास केनात निकास सामित के किया के किया के शम करिमामा क्रमाहि शिक्ष विकासिक विद्यालय भावित्रे विवर्ध के निर्देश किया बाला नेम. क क्या कार्मिकान ने। जीविश के विदे आहत्व विश्व नामार्थ हर्षान जाहीरक किए ना स्वाहित वीम r gants to yate

### াধুদেৱন । ১

भितिकात इस नमा आखारकात तर्भव कार्यन, विक्र कार्यन कार्यन, विक्र कार्यन कार्यन

भिश्राम व ते: मानाः अत्रव्यवः माग्राम्हे राषु জাবাৰ প্ৰধানের খান। বহি । ত কলিবল আৰু কৌন ু কুম্বন প্ৰকিষ্ঠ চিন क्षिणिकारक क्या मा ८४मम अतिकान क्षण मही ! किया अभाभवा करेरक जरावा करिवारिके किया रेकिकनामि १६८७ कविटल छ। इ नायकात स्थानी स्थान हिमानरहे अहे बान १ मा। तन्त्रं शहम कड़ेक किए। तालिव महानीनाह्य ছাটক যে কাশন অনিক ে কি একালে নিৰান্ত্ৰীক্ষাপ্ৰাপাৰ <sub>ক</sub> कर्ष हा अरामन नाष्ट्र, क्षेत्र कि कि विकास विकास क्षेत्र महे यांत्र कानिक काक स्मरित कात्रदर्श अहितार जान भाकाक, हरेएक कर । कि निभएत सम्बद्ध 大大 多多 人名西多斯 西西日本 医多种 Giet egte Magfiell Billed A क्क भार्त्य शास्त्रिकारम के एन क्श रथानः भाका कि न गाउँ। क विभागारवत भीन स्थानिकार । यह गतिकाङ्ग राजुः भारतम् कृष्टिकः भारत

माक आवन में "一个一个一个 **电影教员 压** मानक दर्श अल्झ आ त्कं द्रायन था गर्गाः केन्द्रा (मृह् मादन मन्त्रिका ह न विकि : श्रुश्तय का हाह सामा भिभारहे । बाङ्गाकारम : एक प्रक्र वर्ते हा

TARIN TO SANT POR CORDINATION OF THE প্রতিষ্ঠিত হল জাই মাল বি চাইটি লিভ। দুখাইট भारत जाता । अनुस्था कर्ने वासक्ष के दिना है पदन दूसि कि अ। यः अनित्। कारचत कामकेरेन निर्देशका गुण ६७० कश्चिम क्यू क्षित्र मारिका किल्ला मारिक कराउँ इसे । मुलेश्वर विकार किल्ला के जिल्ला के किए हैं कि है। के किए है कि है कि किए के किए किए के किए हैं कि किए हैं कि क रेले चल्याच ्छ्डियाँ रेक्सम निर्देश मध्या १ १८क व केट केंद्रिस्त्र अभगनभाषा विभिन्न पुरे १५ एम विकासम् एकि दिलीह-ने क्रेम, मकाम (रिवार, करून १रिक ५ नरनारद किए किक्टब जनम सिर्मु क्यो मानना हुईनमान । क्यारी ्रेग्रान केरिक ला अभि क्रिक नव ना का का मान किसाब क्षेत्र व्यानिक कमा विरक्षक कार्य कार्य नाराविष्णुत क्षान विसक निश्चित्र अर्ज्ञ । क्षित्रकृष्टिभाग्य नकाल १८४४ (४) ज्यस्त्र कर्षा है अस्ति मान्या भागी या है। ' संस्थी रणेंचे आखत ने हैंगा कि कहार ने लीब जिसके हान-क्षेत्र दुर्वित्तेन द्वाक्ष्मिति छ यम इन्हेनिक साद्ध